दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२४० वा | बुधवार २ एप्रिल २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बजरंग सोनवणे ने रखा मरहम, लेकिन धस का नया ग़म

नशे मे था बम। अर्धा मसला-या मज़ाक मसला, दादा से पूछता है बीड

बीड (विशेष रिपोर्ट): रमज़ान ईद से एक दिन पहले चांद रात को, गीवराई तहसील के अर्धा मसला गांव की मक्का मस्जिद में आधी रात के समय जलेटन से ब्लास्ट कर मस्जिद उड़ाने की कोशिश की गई। यह घटना गांव के दो समाजविरोधी तत्वों - गवाहणे और सागड़े - द्वारा अंजाम दी गई। सौभाग्य से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस निंदनीय हरकत से पूरा गांव सहम गया।

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में पाया गया कि इस ब्लास्ट की पृष्ठभूमि एक दिन पहले गांव में स्थित दरगाह के संदल कार्यक्रम को लेकर पैदा हुए विवाद से जुड़ी थी। गवाहणे और उसके साथी ने इस आयोजन पर आपत्ति जताई थी और गांव में एक विशेष समुदाय के रहने को लेकर भी नाराज़गी जाहिर की थी। इसके बाद सिगरेट पीते हुए, उन्होंने बम बनाने और ब्लास्ट करने की हिम्मत दिखाई।

पवित्र महीने और इबादत के दौरान हुए इस हमले से गांव के सभी समुदायों में दुख और गुस्से की लहर दौड़ गई। गांव के हिंदू और मुस्लिम समाज ने मिलकर एकता का प्रदर्शन किया और गुढी पाड़वा व ईद को शांति से मनाने का ऐलान किया।

इस घटना के बाद, बीड के सांसद बजरंग सोनवणे, पूर्व मंत्री बडामराव पंडित, बाबूराव पोटभरे, अविनाश नायकवाडे समेत कई नेताओं ने मस्जिद पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के साथ इफ्तार किया और सांप्रदायिक एकता का संदेश दिया। साथ ही दोषियों को कड़ी सज़ा दिलाने और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की गई। मुस्लिम समाज ने नेताओं के इस सहयोगात्मक रुख पर संतोष व्यक्त किया।

लेकिन अब इस गंभीर घटना पर आष्टि के विधायक सुरेश धस का बयान विवाद का विषय बन गया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आरोपी नशे में थे और एक दिन पहले की घटना से नाराज़ थे, इसलिए यह घटना घट गई। विधायक धस का यह बयान न सिर्फ मज़ाक बन गया, बल्कि सभी राजनीतिक दलों ने इसकी आलोचना की है। सवाल यह उठाया गया कि अगर सरपंच संतोष देशमुख के हत्यारे भी नशे में थे, तो क्या उन्हें भी इसी मापदंड से तौला जाएगा? सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया में कहा गया कि क्या बम भी नशे में था, जो लड़खड़ाकर मस्जिद में फट गया?

यह घटना सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति के लिए खतरा मानी जा रही है। ऐसे कृत्यों के कारण अन्य क्षेत्रों में अफवाहें और तनाव फैल सकते हैं।

इस घटना की निंदा देशभर से हो रही है। मुस्लिम और गैर-मुस्लिम नेताओं ने मांग की है कि आरोपियों पर देशद्रोह जैसी धाराएं लगाई जाएं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इस मामले में सख्त कार्रवाई की बात कही है। आज वे बीड में सरकारी और गैर-सरकारी कार्यक्रमों के अलावा दो ईद मिलन समारोह में भी भाग ले रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार में अजित पवार को मुस्लिम समाज का पसंदीदा चेहरा माना जा रहा है, क्योंकि वे खुलकर मुस्लिम समाज के हक में बोलते हैं।

अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि अर्धा मसला मस्जिद के दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है और अजित पवार क्या आदेश देते हैं। बीड जिले के सभी धर्मों के बुद्धिजीवी इस बात पर सहमत हैं कि नितेश राणे के मस्जिद में घुसकर मारेंगे वाले बयान से अर्धा मसला के युवाओं को हिम्मत मिली। इसलिए अब यह अपेक्षा भी है कि अजित पवार नितेश राणे को इस बात का एहसास दिलाएं।

फारुख पटेल के ईद मिलन प्रोग्राम में आज अजीत पवार कि शिरकत, पार्टी में उत्साह।

बीड़ (संवाददाता): एनसीपी राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार कल २ अप्रैल को बीड़ के दौरे पर रहेंगे। वे यहां एनसीपी नेता फारूक पटेल द्वारा आयोजित ईद मिलन कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल होंगे। बीते २५ वर्षों से फारूक पटेल और उनके परिवार द्वारा आयोजित यह ईद मिलन कार्यक्रम इस वर्ष भी जारी है, और इस बार खुद पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित दादा पवार की उपस्थिति इस कार्यक्रम को खास बना रही है।

अ'१क्ष्ह पटेल की इस आयोजन में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की भागीदारी को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा है कि इस मंच पर पटेल को क्या ज़िम्मेदारी या संदेश मिलेगा। कार्यक्रम २ अप्रैल को सुबह ११ बजे आयोजित किया गया है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे□पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित, गेवराई के विधायक विजयसिंह पंडित, मुस्लिम वेलफेयर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सलीम सारंग, ओबीसी सेल के प्रदेशाध्यक्ष कल्याण आखाड़े जैसे बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

इसके साथ ही **जिला अध्यक्ष राजेश्वर चव्हाण, पूर्व शहर अध्यक्ष मोइन मास्टर, एनसीपी के जिला उपाध्यक्ष अविनाश नाइकवाडे, बीड़ विधानसभा के प्रमुख डॉ. योगेश क्षीरसागर, नगरसेवक अमर नाइकवाडे, मौलाना आज़ाद इकोनॉमिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के डायरेक्टर शेख तैयब, पंचायत समिति अध्यक्ष बलिराम गावते, नगरसेवक अश्फाक इनामदार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष इकबाल इकबाल, मंशा संघ के जिला अध्यक्ष मुनीर अहमद और कई अन्य नेता भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा श्रम विभाग के शेख अलीम पटेल समेत कई प्रतिष्ठित नागरिक भी मौजूद रहेंगे।

मेरे हत्या की साजिश रची गई थी - विधायक सुरेश धस का गंभीर आरोप

आष्टी (प्रतिनिधि), १ अप्रैल: आष्टी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश धस ने एक सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा है कि सतीश भोसले उर्फ खोक्या के मामले का इस्तेमाल कर उनकी राजनीतिक छवि खराब करने और उन्हें बिश्नोई समाज के सामने विलन साबित करने की कोशिश की गई। इसके जरिए उनके खिलाफ हत्या की साजिश भी रची गई थी।

आष्टी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरेश धस ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले के कुछ निष्क्रिय और जनसमर्थन खो चुके नेता एकजुट होकर उनकी बदनामी के प्रयास कर रहे थे। इसी बीच सतीश भोसले के खिलाफ कार्रवाई के कारण यह मुद्दा चर्चा में आया और मेरे खिलाफ साजिश रची गई।

धस ने कहा कि काले हिरण और हिरण बिश्नोई समाज के आराध्य माने जाते हैं। सतीश भोसले पर हिरण शिकार का मामला दर्ज हुआ है और उसे गिरफ्तार भी किया गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कुछ लोगों ने बिश्नोई समाज को बताया कि सतीश भोसले आदिवासी समाज से है और वह शिकार किए गए हिरण सुरेश धस को सप्लाई करता है।

धस ने आरोप लगाया कि इसी झूठे प्रचार के ज़रिए उन्हें बिश्नोई समाज के सामने खलनायक बनाने की कोशिश हुई। इतना ही नहीं, उनके अनुसार, राजस्थान से बिश्नोई समाज के कुछ लोगों को हवाई जहाज से मुंबई बुलाया गया और उन्हें मारने की योजना बनाई गई थी। मुझे मारने के इरादे से ही उन लोगों को मुंबई लाया गया था, - ऐसा दावा विधायक सुरेश धस ने किया है।

अर्धमसला मस्जिद ब्लास्ट मामले में गेवराई में पूर्ण बंद, आतंकवादियों पर UAPA व NIA जांच की मांग!

गेवराई (प्रतिनिधि): गेवराई तहसील के अर्धमसला गांव की मक्का मस्जिद में जिलेटिन से ब्लास्ट कर मस्जिद उड़ाने की कोशिश करने वाले आरोपियों पर ण-झ- और एनएसए के तहत कार्रवाई की मांग, और इस मामले की जांच छख- से करवाई जाए तथा केस को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए - इन प्रमुख मांगों को लेकर मंगलवार, १ अप्रैल २०२५ को गेवराई में पूर्ण बंद रखा गया।

इस बंद को व्यापक समर्थन मिला, और पूरा गेवराई शहर पूरी तरह से बंद रहा। बंद के दौरान उपविभागीय पुलिस अधिकारी नीरज राजगुरु के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक प्रविणकुमार बांगर ने कड़ा सुरक्षा बंदोबस्त संभाला।

यह मामला उस समय तूल पकड़ा जब ईद-उल-फित्र से एक दिन पहले, अर्धमसला गांव की मस्जिद में जिलेटिन विस्फोटक से ब्लास्ट कर उसे उड़ाने का प्रयास किया गया। इस घटना ने न सिर्फ जिले में बल्कि पूरे देश में चिंता और आक्रोश की लहर दौड़ा दी। इसे राज्य में शांति भंग करने की साजिश के रूप में देखा जा रहा है।

मंगलवार को, इस आतंकी हमले के खिलाफ सभी समाजों के लोगों ने एकजुट होकर गेवराई बंद का आह्वान किया, जिसे व्यापारियों और नागरिकों ने स्वस्फूर्त समर्थन दिया। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर एकता का प्रदर्शन किया।

इस दौरान मराठा सेवक गंगाधर माऊली, ऋषिकेश बेदरे, हजरत टीपू सुल्तान युवा मंच के जिलाध्यक्ष शेख अमजद उर्फ बब्बूभाई, युवा कार्यकर्ता सय्यद शोएब अत्तार समेत प्रतिनिधियों ने गेवराई के नायब तहसीलदार संजय सोनवणे को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि मस्जिद पर आतंकवादी हमला करने वालों के खिलाफ ण-झ- और एनएसए के अंतर्गत मामले दर्ज किए जाएं, इस घटना की जांच छख- द्वारा करवाई जाए और मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए।

इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी जे.डी. शाह, पूर्व नगरसेवक याहिया खान पठान, सय्यद एजाज मेंबर, सरवर खान पठान, शेख शहेदाद, पत्रकार जुनेद बागवान, मोहसिन बागवान, सय्यद नदीम समेत सैकड़ों युवा और नागरिक उपस्थित थे। बंद के दौरान पूरे शहर में शांतिपूर्ण माहौल रहा और कड़ी पुलिस निगरानी की गई।

मस्जिद में धमाके पर जरांगे पाटीलने जताई नाराजगी, सख्त सजा कि मांग।

गेवराई (प्रतिनिधि): गेवराई तालुका के अर्धा मसला गांव स्थित मक्का मस्जिद में हुए विस्फोट और मस्जिद को उड़ाने के प्रयास की तीव्र निंदा मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटील ने की है। मंगलवार, १ अप्रैल २०२५ को दैनिक तामीर के विशेष संवाददाता व वरिष्ठ पत्रकार काज़ी अमान ने अंतरवाली सराटी जाकर मनोज जरांगे पाटील से संपर्क किया, तब उन्होंने इस निंदनीय घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

जरांगे पाटील ने कहा, यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। मैं ऐसी किसी भी घटना का समर्थन नहीं करता। किसी को भी किसी के देवी-देवताओं का अपमान नहीं करना चाहिए। मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं और विश्वास है कि आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, सभी को मिल-जुलकर रहना चाहिए। किसी भी प्रकार का अनावश्यक विवाद खड़ा कर समाज को दो भागों में बाँटने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। मारपीट और हिंसा की घटनाएं ग़रीबों के बच्चों का भविष्य बर्बाद कर देती हैं। ऐसी हरकतें निंदनीय हैं। इस मामले में जो भी धाराएं आवश्यक हैं, वह लगाई जाएंगी और जांच एजेंसियां अपना कार्य करेंगी। इसमें कोई भी आरोपी बच नहीं पाएगा।

जरांगे पाटील ने स्पष्ट कहा कि, कोई भी किसी के देवता का अपमान कर जनता को भड़काने का प्रयास न करे, यह मुझे बिल्कुल स्वीकार नहीं। मैं फिलहाल बीमार हूँ, कल ही अस्पताल से छुट्टी मिली है। न तो मैं उठ सकता हूँ और न ही चल सकता हूँ, अन्यथा मैं अर्धमसला जाकर पीड़ितों से अवश्य मिलता।

उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में हिंदू भाइयों को गुढी पाड़वा और मुस्लिम भाइयों को ईद-उल-फित्र की शुभकामनाएं दी हैं और आपके माध्यम से फिर से सभी को शुभकामनाएं देता हूँ। जब उनसे पूछा गया कि क्या वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में मुस्लिम समाज ने ईद-उल-फित्र काली पट्टियाँ बांधकर मनाई, तो जरांगे पाटील ने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, अन्यथा मैं अवश्य प्रतिक्रिया देता।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

शेख निजाम के ईद मिलन से अजीत पवार के राष्ट्रवादी में बढ़ेगी मिठास।

बीड़ (प्रतिनिधि): बीड़ शहर के चर्चित सामाजिक व शैक्षणिक कार्यकर्ता शेख निजाम २ अप्रैल २०२५ को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह प्रवेश कार्यक्रम सुबह ११:३० बजे सुभाष रोड, बीड़ में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर रमजान ईद के उपलक्ष्य में ईद-ए-मिलाप कार्यक्रम भी रखा गया है। इस मिलाप से अजीत पवार को बीड में ताकत मिलने कि संभावना है।

शेख निजाम का प्रवेश पूर्व मंत्री एवं विधायक धनंजय मुंडे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के महासचिव व पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित, तथा जिलाध्यक्ष राजेश्वर आबा चव्हाण के नेतृत्व में होगा। शेख निजाम को बीड़ शहर में एक दूरदर्शी, सर्वधर्मसमभाव और घराणेशाही विरोधी युवा नेता के रूप में देखा जाता है। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में कई विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने जय हिंद एजुकेशन कैंपस जैसी शैक्षणिक संस्था खड़ी कर गरीब छात्रों को शिक्षा की राह दिखाई।

इस कार्यक्रम में विधायक प्रकाशदादा

सोलंके, विधायक विजयसिंह पंडित, पूर्व विधायक बालासाहेब आजबे, ओबीसी सेल प्रदेशाध्यक्ष कल्याण काका आखाडे, तगछ्ढ सेल प्रदेशाध्यक्ष रविकांत राठौड़, डउ-डढ आयोग के सदस्य एड. गोरक्ष लोखंडे, बीड़ जिले के सभी वर्तमान व पूर्व विधायक, प्रमुख नेता व हजारों नागरिक उपस्थित रहेंगे।

इस कार्यक्रम को लेकर चर्चा है कि उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के आशीर्वाद से शेख निजाम आनेवाले समय में बीड़ शहर की राजनीति के 'वज़ीर' बन सकते हैं।

बीड ज़िले के एक गांव में मस्जिद पर असामाजिक तत्वों का हमला!

जमीयत उलमा महाराष्ट्र का कड़ा विरोध, दोषियों को सख्त सज़ा देने की मांग

१ एप्रिल । प्रेस विज्ञप्ति

बीड ज़िले के अर्धमसला गांव में कल रात लगभग २:१५ बजे दो असामाजिक तत्वों ने एक मस्जिद को निशाना बनाकर जिलेटिन बम से धमाका किया, जिससे मस्जिद को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा। हालांकि, अल्लाह का शुक्र है कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ□लेकिन यह घटना न सिर्फ अफसोसनाक है, बल्कि बेहद निंदनीय भी हैद्द इस कायरतापूर्ण हरकत का उद्देश्य इलाके में भय का माहौल पैदा करना और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाना है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

जमीयत उलमा महाराष्ट्र के अध्यक्ष मौलाना हाफिज नदीम सिद्दीकी ने इस घटना पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए इसे आतंकवाद और एक सुनियोजित साज़िश करार दिया। उन्होंने तुरंत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, जिला पुलिस अधीक्षक और संपर्क मंत्री से संपर्क कर दोनों आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी से कड़ी सज़ा देने की मांग की।

मौलाना नदीम सिद्दीकी ने कहा कि यह हमला दरअसल हमारे धार्मिक जज़्बात को ठेस पहुंचाने और समाज में ज़हर घोलने की एक गंदी कोशिश है, जिसे हम हरगिज़ कामयाब नहीं होने देंगे।

सकारात्मक बात यह है कि तलवाड़ा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया है और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। लेकिन जमीयत उलमा महाराष्ट्र यह साफ़ करना चाहती है कि सिर्फ गिरफ्तारी ही काफी नहीं है, बल्कि इन अपराधियों को ऐसी सज़ा दी जानी चाहिए जो दूसरों के लिए भी सबक बने।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस मामले में सख्त कार्रवाई करनी होगी ताकि सांप्रदायिक तत्वों को यह स्पष्ट संदेश मिल सके कि कानून और व्यवस्था को बिगाड़ने की किसी को भी इजाज़त नहीं दी जाएगी।

मौलाना नदीम सिद्दीकी ने कहा कि मस्जिदों पर हमला एक गंभीर अपराध है, जिसे किसी भी हाल में सहन नहीं किया जा सकता। अगर इन आरोपियों को सख्त सज़ा नहीं दी गई तो ऐसे असामाजिक तत्वों का मनोबल और बढ़ेगा, जो देश की अमन-शांति और भाईचारे के लिए बेहद ख़तरनाक होगा।

हम सरकार से मांग करते हैं कि इन अपराधियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द ऐसी सज़ा दी जाए जो आने वाले समय में नज़ीर बन सके। रमज़ान का पाक महीना चल रहा है और ईद की ख़ुशियां क़रीब हैं। ऐसे में हम सभी को संयम और सब्र का परिचय देना चाहिए और किसी भी उकसावे में आकर कानून को हाथ में नहीं लेना चाहिए। जनता से अपील है कि किसी भी अफवाह पर यक़ीन न करें और अपने क्षेत्र में शांति बनाए रखें।

यह समय है दुश्मनों की साज़िशों को नाकाम करने का-पीं कि भावनाओं में बहकर ऐसा कोई कदम उठाने का जिससे हालात और बिगड़ जाएं।

ईद का त्यौहार ख़ुशियों और मोहब्बतों को आम करने का होता है। इसलिए सभी मुसलमानों से अपील है कि वे अमन और शांति का पैग़ाम फैलाएं, सभी भाई-बहनों के साथ प्रेम और सौहार्द के रिश्तों को मज़बूत करें और हर प्रकार के फसाद से दूरी बनाए रखें। हमें अपने दुश्मनों को यह दिखाना है कि हम सब्र और हिम्मत के साथ खड़े हैं और किसी भी नापाक साज़िश को कामयाब नहीं होने देंगे।

इस मामले को लेकर हाफेज नदीम सिद्दीकी ने उस पी कावत से मूलाकात कि उन के साथ मौलाना अब्दुलाह कुरेशी, मुज्तबा खान, काजी मुजीब, जावेद पाशा, मौलाना मंसूर भी मौजूद थे।

क्या कुणाल कामरा का शो देखना अपराध है? महाराष्ट्र को 'पुलिस स्टेट' बनाने की कोशिश - कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ का सरकार पर हमला

मुंबई (जमीर काजी): महाराष्ट्र में स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के शो को लेकर मचे बवाल के बीच कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने सोमवार को राज्य सरकार और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कामरा के व्यंग्य काव्य से बौखलाई सरकार अब शो देखने वाले दर्शकों को भी नोटिस भेज रही है, जो इस बात का संकेत है कि राज्य में पुलिस स्टेट लागू करने की कोशिश की जा रही है।

हर्षवर्धन सपकाळ ने कहा कि, अगर एक हास्य कलाकार किसी राजनेता पर व्यंग्य करता है तो उसे बड़े दिल से स्वीकार करना चाहिए। इसे एक हास्य की तरह ही देखा जाना चाहिए। देश के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू, डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी पर भी तीखे व्यंग्य हुए, लेकिन तब न कलाकारों को धमकाया गया, न दर्शकों को प्रताड़ित किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम तक नहीं लिया, फिर भी उनके समर्थकों ने तोड़फोड़ की, कामरा को धमकियां दी जा रही हैं। शो देखने वाले दर्शकों ने क्या अपराध किया है? धमकी देने वाले और तोड़फोड़ करने वाले खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन कार्रवाई उन दर्शकों पर हो रही है, जिन्होंने सिर्फ शो देखा, - ऐसा कहकर सपकाळ ने इसे अन्यायपूर्ण बताया।

देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब से उनके पास गृह विभाग है, राज्य की कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-शिवसेना सरकार आने के बाद बीड़ और परभणी में हत्याएं हुईं, मुंबई में पूर्व मंत्री की हत्या हो गई, अभिनेता सैफ अली खान पर घर में घुसकर जानलेवा हमला हुआ, स्वारगेट बस स्टेशन पर महिला के साथ बलात्कार हुआ। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में अब सरपंच से लेकर सेलिब्रिटी तक कोई सुरक्षित नहीं है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में कोयता गैंग, आका, और खोक्या जैसी गैंग खुलेआम नंगा नाच कर रही हैं और गृह विभाग उन्हें रोकने में नाकाम है। पुणे जैसे शहर से लेकर धाराशिव के ग्रामीण क्षेत्रों तक ड्रग्स खुलेआम बेचे जा रहे हैं, लेकिन कोई लगाम नहीं लगाई जा रही।

सपकाळ ने कहा कि फडणवीस का गृह विभाग सिर्फ विपक्षियों पर कार्रवाई करने, उनके फोन टेप करने और आंदोलनों को कुचलने का काम करता है। सत्तारूढ़ दल के मंत्री खुलेआम धमकियां देते हैं, और गृह मंत्री आंखों पर पट्टी बांधे हुए बैठे हैं। गृह मंत्री और पुलिस महानिदेशक दोनों ही पद सिर्फ दिखावे के रह गए हैं, उन्होंने आरोप लगाया।

उन्होंने मांग की कि देवेंद्र फडणवीस को गृह विभाग की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाए और किसी पूर्णकालिक, सक्षम मंत्री को गृह विभाग सौंपा जाए। साथ ही, वर्तमान में सेवा विस्तार पाए पुलिस महानिदेशक को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त कर किसी योग्य, निष्पक्ष अधिकारी को यह पद दिया जाए।

ब्लास्ट प्रभावित मस्जिद में सांसद बजरंग सोनवणे का सामूहिक इफ्तार

हिंदू-मुस्लिम समुदाय से किया संवाद

बीड़, संवाददाता: गेवराई तहसील के अर्धमसला गांव की मस्जिद में ३० मार्च की सुबह जिलेटिन की सहायता से धमाका किया गया। घटना के तुरंत बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। इसी बीच, सांसद बजरंग सोनवणे ने अर्धमसला पहुंचकर मस्जिद का निरीक्षण किया और ग्रामवासियों से संवाद करते हुए शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

ईद से एक दिन पहले अर्धमसला गांव की पवित्र मस्जिद में दो व्यक्तियों द्वारा जिलेटिन से धमाका किया गया, जिससे मस्जिद की दीवारों में दरारें आ गईं और उसे नुकसान पहुंचा। घटना की जानकारी मिलते ही सांसद सोनवणे ने अंबाजोगाई तहसील का नियोजित कार्यक्रम स्थगित कर अर्धमसला पहुंचकर मस्जिद का निरीक्षण किया और हिंदू-मुस्लिम समुदाय से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि गांव के लोग बेहद समझदार हैं और यहां दोनों धर्मों के बीच आपसी सम्मान देखने को मिलता है। जो भी अपराधी हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, इसके लिए वे जिला पुलिस अधीक्षक से बात करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय के त्योहार मिल-जुल कर मनाए जाते हैं, और आगे भी इसी प्रकार सौहार्द के साथ मनाए जाएं, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी विश्वास जताया कि वे गांव में हमेशा एकता के साथ रहते आए हैं और आगे भी उसी भावना से एकजुट रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान पूर्व विधायक बदामराव पंडित, दत्तात्रय ठोंबरे, निजाम शेख, बाबूराव पोटभरे सहित कई ग्राम पंचायत सदस्य उपस्थित थे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर से भी चर्चा की गई और धमाके के पीछे की मंशा की गहराई से जांच करने के निर्देश दिए गए।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com